हिन्दी प्रेस क्लब

BOSM 2022

स्पर्धा

दिवस 2 | अंक 1

Photo Credits:
Sports Publicity and Design Team

संपादकीय

"गो बिट्स गो, *11* नंबर गड्डा है", आज तो नारों की बोछार के नीचे, बिट्स का हर प्रतिद्वंदी बिन जल की मछली की तरह रह गया। बोसम का पेहला दिन बिट्स के लिए काफ़ी सुहाना रहा। हर खेल में अपनी बिट्स की टीमों का बोलबाला रहा जिसका मुख्य कारण खिलाडियों का निरंतर परिश्रम व *BITSIAN* जनता का सहयोग था। जीत की अदम्य भावना खेल में अत्यधिक महत्वपूर्ण है जो आज बिट्स की महिला बैस्कट्बॉल टीम ने अपने शानदार वापसी से साबित किया।

जूनियर्स के कैम्पस पर आगमन से माहौल में चार चाँद लग गए। नए बैच के व्याकुल चेहरे और उनके माता- पिता के अनुशासनों के बीच कही मुझे अपने कैम्पस के पहले दिन की याद आ गई।
खेलों के इस महाकुम्भ मे पहले दिन के सूरज निकलने के साथ ही विभिन्न प्रकार के इंडोर और आउटडोर खेलों का समकालिक आयोजन होने लगा। सुबह से ही *GYMG* और *SAC* में खिलाड़ियों की भीड़ देखी जा सकती थी। खिलाड़ी तो खिलाडी, उनको प्रोत्साहन देने वालों की भी कोई कमी नहीं रही। लगभग हर खेल के लिए बुलाये गए रेफरी के समयानुसार पहुँचते ही खेल शुरू हो गए। *GYMG* में टेनिस, बास्केटबॉल, फुटबॉल, एथलेटिक्स, हॉकी, फ्रिस्बी आदि खेलों का आयोजन हुआ तो वहीँ *SAC* में नेशनल खिलाड़ियों के बीच टक्कर के टेबल टेनिस के मुक़ाबले, पॉवरलिफ्टिंग, रोलबॉल, चैस, कैरम, बैडमिंटन आदि खेलों का सुचारु रूप से आयोजन हुआ। इन्ही सब में बॉसम हिंदी प्रेस द्वारा आयोजित स्पॉटलाइट- एक ओपन माइक कमेंट्री जिसने बड़ी ही सफलता के साथ बास्केटबॉल खेल में उमंग भरा और वहां एकत्र भीड़ को शब्दों के रस से बांधे रखा। शाम होते-होते पिलानी की हल्की और मीठी ठंड में लोगों ने *GYMG* में लगी खाने की स्टॉल्स पर दोस्तों के साथ पकवानों का आनंद उठाया। वहीँ कबड्डी, टग ऑफ़ वॉर, रेडिओएक्टिव क्लब का कैरओके, ह्यूमन फूस्बोल भीड़ आक्रषण का केंद्र रहे।

***GYMG* में आज बहुत ही भीड़ थी, कई खेलने आए थे और दूसरे कुछ और देखने, वाक़ई बिट्स में हर तरह के खिलाड़ी है।अत्यधिक खेलों के नॉकाउट राउंड तो *BITS* की टीमों ने आसानी से पार कर लिया पर अब यह देखना है कि आगे के राउंड में भी वह अपनी जीत बरकरार रख पाएँगे या नहीं...**

अनुक्रमाणिका

- बॉसम का ऑसम मौसम
- DAY 1 मुख्यांश
- चर्चा में...
- DAY 1 नतीजे

बॉसम का ऑसम मौसम

पिलानी में सर्दियों का मौसम शुरू होने वाला है। मगर बिट्स में आज कल हवाओं में एक अलग सी गर्मजोशी महसूस की जा सकती है। जो बच्चे सुबह ट्यूट जाने के लिए रज़ाई छोड़ने को तैयार नहीं होते हैं वही आज-कल पाँच बजे से GymG में भागते नज़र आ रहे हैं। हमेशा पिज्ज़ा-बर्गर खाने वाले अब स्वस्थ भोजन को अपना रहे हैं। आखिर इस बदले माहौल का कारण क्या है? इस विचित्र परिवर्तन को देख मैदान के कोने में बैठी पीकू नाम की एक गिलहरी के मन में बहुत से ख्याल आ रहे थे। तभी कहीं से एक विचित्र सा पक्षी उसके पास उड़ता हुआ आया। वो कोई आम पक्षी तो नहीं था। लाल-पीले पंख, काली आँखें और एक लंबी-सी चोंच। उसे देखकर पीकू पहले तो डर गई। फ़िर खुद को थोड़ा समझाते हुए, हिम्मत करके वो उसके पास गई और पूछा, “भैया जी आप कौन हो और यहाँ...?” इतना बोलते ही उसने अपना सिर घुमाया और गिलहरी को देखा, जो बेचारी पहले से ही सहमी हुई थी। “मैं कौन हूँ और यहाँ क्या कर रहा हूँ, इन दोनों सवालों का जवाब तुम्हें 14 अक्टूबर को बॉसम में पता चल जायेगा।” और यह कहकर वो गायब हो गया। बेचारी पीकू, एक तो पहले ही उसका दिमाग सवालों से भरा हुआ था और अब ये बॉसम नाम की बला ने उसका सिर चकरा दिया। वो अपना मुँह लटकाए अपने घर की ओर चल पड़ी। इंतज़ार करते-करते 14 अक्टूबर का दिन भी आ गया लेकिन अब तक उसे अपने किसी भी सवाल का जवाब नहीं मिला था। तभी उसके सामने से एक हेलमेट पहने हाथों में दस्ताने और बल्ला घुमाते हुए मिंटू चला आ रहा था। मिंटू GymG में ही दिन भर गुजर बसर करने वाला एक कुत्ता है। जो आमतौर पर खाने और सोने के आलावा कुछ भी नहीं करता था। लेकिन आज उसकी फुर्ती देखने योग्य है। मिंटू को ऐसे कूदते हुए देख पीकू ने पूछा, “क्या भाई, कहाँ जा रहे हो इतना झूमते हुए? पता है ना मिडसेम आने वाले हैं तो घोटना अभी से शुरू करना होगा। वरना NC लगने से कोई नहीं बचा सकता।” इस पर मिंटू तपाक से बोला, “अरे! मिडसेम लाइट मैडम। बॉसम का ऑसम मौसम है। अब तो जमकर खेलना है।” पीकू से रहा नहीं गया और उसने अंततः पूछ ही लिया कि ये बॉसम आखिर है क्या? मिंटू ने एक सीनिअर की तरह समझाते हुए बताया कि बॉसम बिट्स पिलानी का एक स्पोर्ट्स फेस्ट है और इस साल इसका 35वां संस्करण है जो दो वर्ष के बाद आयोजित हो रहा है। जयपुर, दिल्ली, गोवा, हरयाणा, जैसी जगहों से टीम आएँगीं और अलग-अलग खेलों में अपना प्रदर्शन दिखाएँगी। फ़िज़ाओं को देखकर लगता सभी “राइज़ टू ग्लोरी” का दिल से पालन कर रहे हैं।” इन स्पर्धाओं के अतिरिक्त लेजर टैग, N2O और स्पॉटलाइट जैसे कार्यक्रम भी होंगे जो सभी का मन लुभाने के लिए काफ़ी हैं। अभी बात पूरी भी नहीं हुई थी कि पीकू गायब हो गई और कुछ देर बाद वो भी सिर से पैर तक वॉलीबॉल की किट में सजी-धजी बाहर आई और कहने लगी, “अब तो मैं भी खेलूँगी और जीतूँगी।” और उसके इतना कहते ही दोनों एक साथ चल दिये।

LAW COLLEGE
SRCC की कॉपी!!!
FOOTBALL PHYSICS से आती है LAW से नहीं!
#RISE
GLORY
BOSM DAY-1
BITS
पिलानी एक गाँव ??
कोई मुझसे भी तो खेलो!!

DAY 1 मुख्यांश

बिट्स पिलानी की बास्केटबॉल BOYS टीम ने JAYPEE कॉलेज को 49-19 से हराया। अत्यंत घनी तादात में दर्शक इस मैच के लिए इकत्रित हुए, और हमारी टीम सबकी उम्मीदों पर खड़े भी उतरी। यह मैच तो शुरुआत से ही एक तरफ़ा था, परंतु रोमांच से भरपूर था BITS पिलानी की GIRLS टीम का मैच। प्रशंसनीय बात यह है की एक समय पर 4-11 से हार रही हमारी टीम ने MODY UNIVERSITY को 37-29 से हरा दिया। इस शानदार अंदाज से मैच में वापसी कर हमारी GIRLS टीम ने बॉसम के थीम 'राइज़ टू ग्लोरी' का पूर्ण समर्थन किया।

पहले दिन के सभी मैचों में बिट्स के बैडमिंटन टीम ने काफ़ी शानदार प्रदर्शन किया। बिट्स पिलानी पुरुष - B टीम ने YMCA को 3-0 से मात दी। बिट्स पिलानी पुरुष - A ने बी०के० बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को 3-0 से मात दी। एक ही दिन में बिट्स पिलानी पुरुष - B टीम ने SKIT को भी 3-0 से हराया। इस जीत के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए बिट्स पिलानी महिला टीम ने जी०बी ०पंत को 2-0 से धूल चटाई। बिट्स एलुमनाई गर्ल्स टीम ने अशोका को भी 2-0 से हराया। इस के साथ ही दोनों गर्ल्स की टीमों ने सेमी फ़ाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। अब आने वाले दिनों में इन सबका प्रदर्शन अवश्य देखने योग्य होगा।

HCA द्वारा आयोजित कबड्डी और टग ऑफ वॉर स्पर्धा का कल पहला दिन था। शाम 4 बजे से शुरू हुई ये स्पर्धा रात साढ़े 11 बजे तक चला। दस से बीस रूपए प्रति व्यक्ति के रजिस्ट्रेशन शुल्क में कोई भी जाके भागीदार बन सकता था। दोनों ही स्पर्धाओं में आशा से अधिक भागीदारी देखने को मिली। लगभग 400 लोग तो मात्र बिट्स के ही थे और फिर अन्य लोगों ने भी जमकर ज़ोर आजमाया। ये स्पर्धा 18 अक्टूबर तक चलेगी और अब से रजिस्ट्रेशन पहले से ही कर लिया जाएगा ताकि आखिर में समस्या न हो।

बॉसम के पहले दिन बिट्स GIRLS वालीबॉल टीम और यूनीवर्सिटी लॉ कॉलेज के बीच शानदार मैच रहा। शुरूआत से, बिट्स की टीम ने प्रतिद्वंदी टीम पर दबदबा बनाये रखा और 25-06, 25-07 के सीधे सेट से मैच को समाप्त किया। प्रियल और भवि के बेहतरीन सर्विंग की वजह से टीम को एक मज़बूत शुरुआत मिली। दूसरे मैच में,प्रतिध्वंदी टीम ने गेम में वापसी करने का प्रयास किया और वो बढ़त लेने में सफल भी रहे परंतु बिट्स की टीम ने अपने खिलाड़ियों का बदलाव कर टीम ने खेल को अपने हक में कर लिया।

कल रात बिट्स पिलानी बनाम यूनिवर्सिटी लॉ कॉलेज का फुटबॉल मैच शुरू हुआ और शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाते हुए बिट्स पिलानी ने पहले पांच मिनट में ही अपना पहला गोल कर दिया। गेंद मानो सिर्फ़ बिट्स पिलानी के पाले में ही घूम रही थी। हाफ़ टाइम होने तक दो गोल हो चुके थे और मैच एक तरफ़ा सा होता दिख रहा था। दूसरे हाफ़ के शुरू होते ही रेफरी की पोशाक और लॉ कॉलेज के खिलाड़ियों की एक जैसी पोशाक होने के कारण कुछ कहा सुनी हो गई। ख़ैर जल्दी ही मामला शांत हुआ और मैच आगे बढ़ा। मगर अब भी मिजाज़ वैसे ही थे। बिट्स पिलानी का दबाव लगातार बढ़ता ही गया। अंततः 4-0 के स्कोर के साथ बिट्स पिलानी ने विजय श्री को गले लगाया।

बिट्स पिलानी के हट्टे कट्टे पावरलिफ्टरों ने आज UNDER 63 KG वाली श्रेणी में प्रथम तीनों स्थान अपने नाम कर जीत का झंडा गाड़ा । पावरलिफ्टिंग की प्रतियोगिता तीन चरणों में आयोजित की जाती है- DEADLIFT, BENCH PRESS और SQUAT । प्रत्येक चरण में खिलाड़ी को तीन मौके दिए जाते हैं । UNDER 63 KG की श्रेणी में सिद्धार्थ देशमुख ने पहला, स्पंदन मिश्रा ने दूसरा व मुनीश जैन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया । 63-68 KG श्रेणी में IIIT कोटा के छात्रों ने पहली दो स्थानों पर कब्ज़ा कर जीत का परचम लहराया।कल यह प्रतियोगिता 69-74 KG और 75-83 KG वाली श्रेणियों के लिए SAC में स्तिथ जिम में आयोजित की जायेगी ।

चर्चा में ...

"बाकी सब तो प्रतियोगी हैं, हम विजेता हैं", विद्या निकेतन बिरला पब्लिक स्कूल, बॉय्ज़ हैंडबाल।
हम *BOSM* के लिए डेढ़ महीने से तैयारी कर रहे हैं। हैंडबाल एक सरल खेल है जिसके लिए ज़्यादा साधन की आवश्यकता नहीं होती, केवल एक गुरु, हैंडबाल की गेंद और खेलने के लिए खिलाड़ियों की आवश्यकता होती है। चूंकि हैंडबाल पहली बार हो रहा है, *BOSM* में इसका आयोजन काफ़ी शानदार तरीके से किया गया है और हमारी उम्मीद तो येही है कि इसके पहले विजेता हम बने।

बिट्स गोवा
बॉय्ज़ बास्केटबामॉल
जैसे ही हम कैम्पस पर लौटे, वैसे ही हमने अन्य प्रतियोगिताओं के लिए हमारी तैयारी प्रारंभ करी / कैम्पस में हमारे पास दो बास्केटबॉल के मैदान हैं जिनमें हमें देर रात तक खेलने की सुविधा है/ *BOSM* के लिए हमने पिलानी के मौसम को मद्देनज़र रखते हुए दोपहर को हमारी तैयारी करी/ हमें पिलानी तक पहुँचने में थोड़ी कठिनाई हुई और देर से पहुचने के कारण हमें पहले सही से रहने की जगह भी नहीं मिली थी / हमारी उम्मीद यही है कि हमने इतनी मेहनत की है तो हम जीत कर ही लौटे / इसके अलावा हम चाहते हैं कि हम अच्छे से बिट्स पिलानी के छात्रों और टीमस से जान-पहचान बना सकें।

मानव रचना विश्वविद्यालय, फरीदाबाद की वॉलीबॉल टीम से बात करते हुए बॉसम हिंदी प्रेस को पता चला कि उन्हें बॉसम के बारे में दो महीनें पहले पता चला था और वो तभी से इसकी तैयारी में जुट गए थे। उनके कॉलेज मे ग्राउंड और ट्रेनर होने की वजह से ज़्यादा परेशानी नहीं हुई। उन्हें यहाँ काफ़ी अच्छा लग रहा है, कैम्पस भी काफ़ी बड़ा और सुंदर है। ये उनका पहला टूर्नामेंट है, तो उन्हें इससे काफ़ी ज्यादा उम्मीदें हैं, और जीतने की पूरी कोशिश करेंगे। उनके कैम्पस में खेल को काफ़ी बढ़ावा दिया जाता है और उन्हें अपनी तैयारी पर पूरा विश्वाश है। वे दुसरे टीम को काफ़ी अच्छा मुकाबला देने के लिए तैयार हैं।

"हम आये हैं तो जीतने ही आये हैं", जी.एस.एस. बिजोली - जयपुर, महिला फुटबॉल।
हम अन्य फुटबॉल की प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं और जैसे ही हमें *BOSM* के बारे में पता चला, वैसे ही हमने इसे मद्देनज़र रखते हुए हमारी तैयारी की। हमारा मानना यही है कि जितनि प्रतियोगिताओं में हम भाग लेंगे, उतना हमारा खेल निखर कर आएगा। हमारी उम्मीद यही है कि हम हमारा सबसे बेहतरीन खेल दिखाएँ और जीत के जाएँ। यहाँ आके हमें काफ़ी अच्छा लग रहा है क्योंकि इतने सारे खेल एक साथ देखने का मौका मिल रहे है। जयपुर में लड़कियों को प्रोत्साहित किया जाता है फुटबाल खेलने के लिए परन्तु वहाँ इधर के मुकाबले कम साधन हैं। हमारा सन्देश यही है कि सब अच्छे से खेल के अपनी खेल-कुशलता बधांए।

शहीद भगत सिंह कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय से क्रिकेट, फुटबॉल और बास्केटबॉल की पुरुष टीम से बातचीत करते हुए, बॉसम हिंदी प्रेस को पता चला कि उनके कॉलेज में खेल की इतनी सुविधाएँ ना होने से उन्होंने प्राइवेट अकादमी से तैयारी करी है। उन्हें बॉसम के बारे में दो महीने पहले अपने सीनियर्स से ही पता चला। उन्होंने अभी-अभी डी.यू. के टूर्नामेंट में भी भाग लिया था, जिससे उनकी काफ़ी मदद हुई। उनकी टीम अच्छी फॉर्म में है और उन्हें यहाँ पर भी पदक जीतने की उम्मीद है। उन्हें यहाँ काफ़ी अच्छी प्रतिस्पर्धा मिलने की उम्मीद है। कैम्पस उन्हें काफ़ी अच्छा लग रहा है। उनके अनुसार यहाँ सुविधाओं मे काफ़ी सुधार हो सकता है।

आई. आई. आई. टी. कोटा के सहायक प्रोफ़ेसर से बातचीत करने पर पता चला कि उनका ये दूसरा बॉसम है। पिछले बॉसम के बाद से उनकी टीम बॉसम के इस संस्करण के लिए काफ़ी उत्साहित है। उनके पिछले बार का अनुभव भी काफ़ी अच्छा रहा था और इस बार उससे भी अच्छा करने की आशा है। उन्हें लॉन टेनिस, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल से काफ़ी उम्मीदें हैं। उन्होंने बताया कि वो एन.आई.टी. जयपुर के उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं। उनके कॉलेज से *88* लोग स्पर्धा मे आयें हैं। इन्होने बताया कि उन्हें जीतने के अलावा खेल भावना से खेलने पर ध्यान देना चाहिए, और एक अच्छे खेल कार्यक्रम की उम्मीद है।

जेपी इंस्टिट्यूट ऑफ इंजिनियरिंग एंड टेक्नोलोजी की टेबलटेनिस टीम से बात करके पता चला कि उनके कॉलेज से काफ़ी समय से बॉसम मे टीमें आती रही हैं, इसलिए उन्हें यहाँ का पहले से काफ़ी अनुभव था। उन्होंने तीन महीनें पहले से ही तैयारी शुरू कर दी थी। यहाँ का माहौल ही अलग लग रहा है, काफ़ी मज्जा आ रहा है। कैम्पस काफ़ी बड़ा है, मैदान और खेल की भी काफ़ी अच्छी व्यवस्था है। हमें यहाँ से काफ़ी उम्मीदें हैं और जीतने की भी पूरी कोशिश करेंगे। रहने की सुविधा के बारे में उन्होंने कहा कि उन्हें एक बड़े कमरे में ज़मीन पर रहने को बोला गया है जो बेहतर हो सकता था। हमें यहाँ काफ़ी कुछ सीखने की उम्मीद है।

"तैयार रहे हम आ रहे हैं", एस. आर. एम् - चेन्नई की बॉय्ज़ फुटबॉल टीम ।
हमें एक महीने पहले *BOSM* के बारे में पता चला और हमने तभी हमारी टीम बनायीं। हमने बाहर से कोचों को भी बुलाया था हमारी तैयारी में सहायता करने हेतु और कॉलेज की तरफ़ से हमें एक कमरा भी मिला था। यह हमारे कॉलेज का दूसरा *BOSM* है और दो वर्ष के कोरोना काल के पश्चात हमें यहाँ इतनी अधिक टीम देखकर अच्छा लगता है। हमारे अनुसार बिट्स ने *BOSM* का स्तर केवल पहले जैसा ही नहीं रखा परन्तु उसे बढ़ाया है। हमारा यही सन्देश है कि सब नियमों का पालन करते हुए खेल को रोमांचक बनाए।

DAY 1 नतीजे

EVENT	MATCH	WINNER
Table Tennis Boys	BITS GOA VS BITS PILANI	BITS PILANI
Table Tennis Boys	SRCC VS SKIT	SRCC
Table Tennis Boys	BITS PILANI A VS JIET	BITS PILANI A
Table Tennis Boys	BITS PILANI B VS IIIT KOTA	BITS PILANI B
Football Boys	BITS GOA VS SRM DELHI	BITS GOA
Football Boys	BITS PILANI VS UNI LAW COLLEGE	BITS PILANI
Basketball Boys	BITS GOA VS MANAV RACHNA UNI	BITS GOA
Basketball Boys	BITS ALUMINI VS IIIT KOTA	BITS Alumini
Basketball Boys	BITS PILANI VS JIIT	BITS Pilani
Basketball Boys	SRCC VS SBGS	SRCC

EVENT	MATCH	WINNER
Table Tennis Girls	BITS PILANI VS MODY UNI	BITS PILANI
Lawn Tennis Girls	BITS PILANI VS MODY UNI	BITS PILANI
Volleyball Boys	BITS PILANI VS IIIT KOTA	BITS PILANI
Volleyball Boys	BITS ALUMINI VS UNI. LAW COLLEGE	BITS Alumini
Badminton Boys	BITS PILANI B VS YMCA	BITS PILANI B
Badminton Boys	BITS PILANI A VS BKBIET	BITS PILANI A
Badminton Boys	BITS PILANI B VS SKIT	BITS PILANI B
Badminton Boys	SRCC VS BITS GOA B	SRCC

Coca-Cola BEARDO MONSTER ENERGY Flam 91 NINETY ONE NUTRITION languify express & excel Union Bank
epigamia goSTOPS PARAMOUNT DEALZ KOC Kingdom Of Cuisines unstop

बॉसम हिंदी प्रेस

हार्दिक, संस्कार, लाम्बा, शाल्मली, परिश्री

ऋत्विक, **आर्यमन**, सर्वेश, जैनम, देव, आकाश, आरुषी, आर्ची, निशिका, भव्य, हिमांशी, आदित्य

मौलि, अमृत, मल्लिका, वैभव, सर्वाक्ष, वैष्णवी, चेतन, विदित, पुलकित,कामरा , अनुज, अवि, सार्थ, वंश, अक्षय